चेनारी मे कार एवं ऑटो की जबरदस्त टक्कर में एक विकलांग की मौत, 5 घायल

डिहरी ऑन सोन (आससे) । रोहतास जिला के चेनारी थाना क्षेत्र अंतर्गत बरताली पेट्रोल पंप के सामने शिवसागर चेनारी स्टेट हाईवे पर शुक्रवार की देर रात एक अर्टिगा कार एवं ऑटो के भीषण टक्कर में ऑटो सवार एक 40 वर्षीय विकलांग की घटनास्थल पर मौत। 5 अन्य घायल। घटनास्थल से सभी कार सवार कार छोड़कर फरार। सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चेनारी लाया गया। जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार करने के साथ दो गंभीर रूप घायल व्यक्ति को बेहतर इलाज हेतु सदर अस्पताल सासाराम भेज दिया गया। सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर कार एवं ऑटो को जब्त कर अग्रेतर कार्रवाई जारी रखे हुए है। पुलिस शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु सदर अस्पताल सासाराम भेज दिया है। मृतक की पहचान रोहतास जिले के शिवसागर थाना क्षेत्र अंतर्गत ताड़ी गांव निवासी राम इकबाल बिंद के 45 वर्षीय पुत्र अवधेश कुमार बिंद के रूप में हुई है। वहीं, घायल की पहचान संजय बिंद, गोलू बिंद, विजय बिंद और ई-रिक्शा चालक विजय शंकर मिश्रा के रूप में हुई है। ई-रिक्शा चालक शिवसागर थाना क्षेत्र के पितांबरपुर गांव का रहने वाला बताया जा रहा है।

रोहतास मे सर्पदंश से युवक की मौत, पुलिस ने शव को भेजा पोस्टमार्टम हेतु

डिहरी ऑन सोन (आससे) । रोहतास थाना क्षेत्र के समहुता गांव में शुक्रवार की देर शाम सर्पदंश से एक युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान आकाश कुमार के रूप में हुई है। युवक की मौत की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया और गांव में शोक की लहर दौड़ गई। मिली जानकारी के अनुसार, आकाश कुमार घर से बाहर निकला था। इसी दौरान उसे किसी विषैले सांप ने डंस लिया। सर्पदंश के बाद उसकी तबीयत बिगड़ने लगी। हालांकि, उसकी जान नहीं बचाई जा सकी और उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया। पुलिस शव को सदर अस्पताल, सासाराम में पोस्टमार्टम कराने की प्रक्रिया में जुटी हुई है।

डालमियानगर में स्वर्ण आभूषण कारोबारियों की सुरक्षा को लेकर थानाध्यक्ष ने की बैठक

डालमियानगर रोहतास आससे। स्थानिय थाना क्षेत्र में स्वर्ण आभूषण कारोबारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और उनकी समस्याओं को जानने के उद्देश्य से थानाध्यक्ष उमुश सलमा ने थाना परिसर में व्यवसायियों के साथ बैठक की। बैठक में क्षेत्र के कई स्वर्ण आभूषण कारोबारी शामिल हुए। इस दौरान दुकानों की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने और अप्रिय घटनाओं से बचाव के उपायों पर चर्चा की गई। थानाध्यक्ष ने व्यवसायियों से अपील की कि सभी दुकानों में अनिवार्य रूप से सीसीटीवी कैमरा लगाएं, संदिग्ध व्यक्तियों पर नजर रखें और सतर्कता बरतें। यदि कोई व्यक्ति चेहरा ढककर दुकान में प्रवेश करता है तो तुरंत पुलिस को सूचित करें।

उन्होंने कहा कि त्योहारी सीजन में चोरी और लूट की घटनाएं बढ़ जाती हैं, इसलिए सुरक्षा के प्रति लापरवाही न बरतें। पुलिस और व्यवसायियों के बीच बेहतर समन्वय से अपराध पर अंकुश लगाया जा सकता है।

बच्चे को लेकर रूस गयी महिला के खिलाफ रेड कार्नर नोटिस

नयी दिल्ली (आससे)। भारतीय पति से बच्चे की संयुक्त कस्टडी का आदेश मिलने के बाद नाबालिग बेटे को लेकर रूस गई विक्टोरिया बसु को भारत लाने की कोशिश तेज हो गई है।

दिल्ली पुलिस ने साकेत अदालत को बताया कि महिला के प्रत्यर्पण के लिए गृह मंत्रालय, विदेश मंत्रालय और मॉस्को स्थित भारतीय दूतावास के माध्यम से कार्रवाई की जा रही है। उसके खिलाफ इंटरपोल का रेड कहर्नर नोटिस भी जारी किया गया है।

दीपक कुमार मिश्र की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक

सासाराम (आससे)। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत अधिक से अधिक उपभोक्ताओं को रूफटॉप सोलर संयंत्र स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित करने तथा उन्हें अनुदान एवं ॠण की सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी दीपक कुमार मिश्र की अध्यक्षता में शनिवार को समीक्षा हुई।

जिसमे जिलाधिकारी ने योजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को पात्र उपभोक्ताओं तक योजना का लाभ पहुंचाने, लंबित आवेदनों का शीघ्र निष्पादन करने तथा व्यापक प्रचार-प्रसार के माध्यम से जन-जागरूकता बढ़ाने का निर्देश दिया। उन्होंने विशेष रूप से अधिक बिजली खपत करने वाले उपभोक्ताओं को रूफटॉप सोलर अपनाने के लिए प्रेरित करने पर जोर दिया।

जिले में कुटीर ज्योति योजना के अंतर्गत कुल 7,097 उपभोक्ताओं के परिसरों में 1.1ऊ किलोवाट क्षमता के सोलर संयंत्र स्थापित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके विरुद्ध 5,245 उपभोक्ताओं की छतों पर सोलर संयंत्र लगाने के लिए आवश्यक संरचनाऊ स्थापित की जा चुकी है, जबकि 1,074 परिसरों में इन्वर्टर लगाए जा चुके हैं। अब तक कुल 4,225 उपभोक्ताओं की छतों पर सोलर संयंत्रों का अधिष्ठापन पूरा किया जा चुका है। शेष उपभोक्ताओं के यहां स्थापना कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया गया। इस योजना के तहत सोलर संयंत्रों का अधिष्ठापन कार्य 1 नवंबर तक पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

जिले में कुल 14,000 रूफटॉप सोलर संयंत्र स्थापित करने का लक्ष्य निर्धारित है। इसके विरुद्ध अब तक 2,374 आवेदन प्राप्त हुए हैं तथा 532 उपभोक्ताओं की छतों पर सोलर पैनल स्थापित किए जा चुके हैं। विद्युत आपूर्ति अवर प्रमंडल सासाराम शहरी में 91, सासाराम ग्रामीण में 54, बिक्रमगंज में 67, कोचस में 86, डेहरी-1 में 159, नासरीगंज में 37 तथा डेहरी-2 में 38 सोलर संयंत्र स्थापित किए जा चुके हैं। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि निर्धारित लक्ष्य की प्राप्ति के लिए समन्वित प्रयास किए जाएं तथा अधिक से अधिक पात्र घरेलू उपभोक्ताओं को आवेदन करने के लिए प्रेरित किया जाए।योजना के तहत पात्र घरेलू उपभोक्ताओं को केंद्र सरकार की ओर से अधिकतम 78,000 तथा बिहार सरकार की ओर से अधिकतम 20,000 की वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने का प्रावधान है। इस प्रकार, निर्धारित पात्रता एवं

शर्तों के अनुसार उपभोक्ताओं को रूफटॉप सोलर संयंत्र की क्षमता के आधार पर अधिकतम 98,000 तक अनुदान मिल सकता है। एक किलोवाट क्षमता के संयंत्र पर कुल 40,000, दो किलोवाट पर 80,000 तथा तीन किलोवाट या उससे अधिक क्षमता के संयंत्र पर निर्धारित अधिकतम सीमा के अनुसार 98,000 तक वित्तीय सहायता का प्रावधान है।

इसके अतिरिक्त, पात्र उपभोक्ताओं को सोलर संयंत्र स्थापित करने के लिए बैंकों के माध्यम से 5.75 प्रतिशत रियायती ब्याज दर पर ॠण की सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है। ॠण का भुगतान 4 से 5 वर्ष की अवधि में किया जा सकता है, जिससे घरेलू उपभोक्ताओं के लिए सौर ऊर्जा अपनाना अधिक सुविधाजनक होगा। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना बिजली बिल में कमी लाने के साथ-साथ स्वच्छ एवं नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने और ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने अधिकारियों को योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार, लंबित आवेदनों के निष्पादन तथा सोलर संयंत्रों की स्थापना में तेजी लाने के निर्देश दिए।

जिला प्रशासन एवं विद्युत विभाग ने सभी पात्र उपभोक्ताओं से अपील की है कि प्रधानमंत्री सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना का लाभ उठाएं। रूफटॉप सोलर अपनाकर उपभोक्ता बिजली बिल में बचत करने के साथ स्वच्छ एवं टिकाऊ ऊर्जा को बढ़ावा देने में भी अपना योगदान दे सकते हैं। बैठक में विद्युत कार्यपालक अभियंता ई ब्रवीण कुमार विद्युत कार्यपालक अभियंता डेहरी इंजीनियर संतोष कुमार सहित कई पदाधिकारी उपस्थित थे।

डीएम ने की पीएम सूर्य घर योजना की समीक्षा सोलर संयंत्र स्थापना में तेजी लाने का निर्देश

डालमियानगर रोहतास आससे।जिलाधिकारी दीपक कुमार मिश्र की अध्यक्षता में शनिवार को प्रधानमंत्री सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना की समीक्षा बैठक हुई। बैठक में विद्युत कार्यपालक अभियंता सासाराम ई. ब्रवीम, डेहरी ई. संतोष कुमार सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। डीएम ने अधिक बिजली खपत वाले उपभोक्ताओं को रूफटॉप सोलर अपनाने के लिए प्रेरित करने और लंबित आवेदनों के शीघ्र निष्पादन का निर्देश दिया। उन्होंने बताया कि कुटीर ज्योति योजना (यूएलए) के तहत जिले में 7,097 उपभोक्ताओं के परिसर में 1.1 किलोवाट सोलर संयंत्र लगाने का लक्ष्य है। 5,245 जगहों पर संरचना और 1,074 में इन्वर्टर लग चुके हैं।

अब तक 4,225 घरों में अधिष्ठापन पूरा हो गया है। शेष कार्य 1 नवंबर तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रधानमंत्री सुर्य घर योजना में रोहतास में 14,000 संयंत्र लगाने का लक्ष्य है। अब तक 2,374 आवेदन मिले हैं और 532 घरों में पैनल लग चुके हैं। इनमें सासाराम शहरी में 91, ग्रामीण में 54, बिक्रमगंज में 67, कोचस में 86, डेहरी-1 में 159, नासरीगंज में 37 और डेहरी-2 में 38 शामिल हैं। बताया गया कि योजना में केंद्र से 78 हजार और बिहार सरकार से 20 हजार तक, कुल 98 हजार तक अनुदान मिल सकता है। 1 किलोवाट पर 40 हजार, 2 किलोवाट पर 80 हजार और 3 किलोवाट या अधिक पर अधिकतम 98 हजार की सहायता का प्रावधान है। बैंकों से 5.75 प्रतिशत ब्याज पर 4-5 साल के लिए लोन भी मिलेगा। डीएम ने बताया कि 1 किलोवाट संयंत्र से रोज 4 यूनिट और महीने में 120 यूनिट बिजली उत्पादन हो सकता है। यह योजना बिजली बिल में बचत और स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने की महत्वपूर्ण पहल है।

31 अक्टूबर को कोलंबस पब्लिक स्कूल में विज्ञान एवं कला प्रदर्शनी का भव्य आयोजन

औरंगाबाद (आससे)। आगामी 31अक्टूबर(शनिवार) को नवीनगर प्रखंड के अंकोरहा आर.एस. स्थित कोलंबस पब्लिक स्कूल में विज्ञान एवं कला प्रदर्शनी का भव्य आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच,रचनात्मकता, नवाचार एवं व्यावहारिक ज्ञान को बढ़ावा देना है। उपरोक्त जानकारी देते हुए कोलंबस पब्लिक स्कूल के डायरेक्टर कुनाल कुमार सिंह ने बताया कि प्रदर्शनी में विद्यालय के विद्यार्थी विज्ञान के विभिन्न विषयों पर आधारित मॉडल, प्रयोग एवं कला से जुड़ी आकर्षक कृतियों का प्रदर्शन करेंगे। यह आयोजन बच्चों की प्रतिभा, कल्पनाशीलता और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को प्रदर्शित करने का एक महत्वपूर्ण मंच बनेगा।

श्री सिंह ने बताया कि कार्यक्रम में डॉ.कुणाल किशोर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। उनके मार्गदर्शन एवं प्रोत्साहन से विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन होगा। प्रदर्शनी में प्रस्तुत विज्ञान मॉडलों का मूल्यांकन कर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली टीमों का चयनकर उन्हें पुरस्कृत किया जाएगा। विद्यालय प्रबंधन ने क्षेत्र के अभिभावकों,शिक्षाविदों,गणमान्य नागरिकों एवं विद्यार्थियों से इस आयोजन में शामिल होकर बच्चों की प्रतिभा को प्रोत्साहित करने की अपील की है।

श्री सिंह ने बताया कि विद्यालय का उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं रखकर उनमें वैज्ञानिक दृष्टिकोण, आत्मविश्वास, रचनात्मकता एवं नवाचार की भावना विकसित करना है। इसी दिशा में विद्यालय परिवार निरंतर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रयासरत है।

अवैध शराब के साथ अभियुक्त गिरफ्तार

औरंगाबाद (आससे)। गुप्त सूचना के आधार पर ओबरा थानांतर्गत ग्राम-तेजपुरा से कुल-45 लीटर देशी शराब के साथ 1. अंजन कुमार पिता चमकी नट 2. मंजय कुमार पिता सुरेन्द्र प्रजापति दोनों सा0 तेजपुरा थाना ओबरा जिला औरंगाबाद को औरंगाबाद पुलिस ने किया गिरफ्तार।

27 अक्टूबर से 1 नवंबर तक जिले में वर्षा, वज्रपात एवं तेज हवा की संभावना को लेकर सतर्कता बरतने की अपील

औरंगाबाद (आससे)। भारत मौसम विज्ञान विभाग, मौसम विज्ञान केंद्र, पटना द्वारा जारी मौसम पूर्वानुमान के अनुसार, दिनांक 27 अक्टूबर से 01 नवंबर, 2026 के दौरान बिहार राज्य में वर्षा की गतिविधियों में वृद्धि होने की प्रबल संभावना है। इस अवधि में राज्य के अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा तथा कुछ स्थानों पर भारी से अति भारी वर्षा हो सकती है। साथ ही, कुछ स्थानों पर मेघगर्जन, वज्रपात एवं 40ङ्क50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से झोंकेदार सतही हवा चलने की संभावना व्यक्त की गई है।उक्त मौसम पूर्वानुमान के मद्देनजर औरंगाबाद जिले के आम नागरिकों एवं किसान भाइयों से सतर्कता बरतने तथा आवश्यक एहतियाती उपाय अपनाने की अपील की जाती है। लगातार वर्षा के कारण निचले इलाकों में जलजमाव, सड़कों पर पानी भरने तथा यातायात व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका है। वहीं, वज्रपात एवं तेज हवा से जान-माल, पशुधन, खड़ी फसलों तथा अस्थायी संरचनाओं को नुकसान पहुंच सकता है।

मेघगर्जन एवं वज्रपात के दौरान खुले मैदान, खेत, ऊंचे पेड़, जलाशय तथा बिजली के खंभों के पास न रहें। तत्काल किसी सुरक्षित, मजबूत पक्के भवन में शरण लें। वज्रपात के दौरान पेड़ों के नीचे शरण न लें तथा बिजली के उपकरणों एवं तारों से दूरी बनाए रखें। तेज हवा के दौरान कमजोर संरचनाओं, टिन की छतों, पुराने पेड़ों एवं बिजली के खंभों से दूर रहें। भारी वर्षा के दौरान जलजमाव वाले रास्तों, निचले क्षेत्रों तथा तेज बहाव वाले पानी से गुजरने से बचें। अनावश्यक यात्रा से परहेज करें।

खराब मौसम के दौरान अनावश्यक रूप से घर से बाहर न निकलें तथा स्थानीय प्रशासन एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें।जिला प्रशासन, औरंगाबाद आमजन से अपील करता है कि वे मौसम संबंधी नवीनतम चेतावनियों एवं पूर्वानुमानों से अवगत रहें तथा किसी भी आपात स्थिति में संबंधित प्रशासन से संपर्क करें।

मारपीट एवं घर में घुसकर तोड़फोड़ मामले में सात गिरफ्तार

औरंगाबाद (आससे)। मारपीट, घर में घुसकर तोड़-फोड़ व चोरी, दंगा करने, जान से मारने की धमकी देने तथा महिला पर आपराधिक बल व लज्जा भंग करने के प्रयास के कांड में नबीनगर थानांतर्गत ग्राम सोनवर्षा से 1.प्रियांशु कुमार 2.पवन कुमार दोनों पिता विनोद सिंह 3.अनिरुद्ध कुमार 4.अरुण कुमार सिंह दोनों पिता सकल सिंह 5.उमेश सिंह पिता स्व0 गणेश सिंह 6.सत्यनारायण सिंह पिता स्व0 भोला सिंह 7.बजरंगी कुमार पिता स्व0 धनेश सिंह सभी सा0 सोनवर्षा थाना नबीनगर जिला औरंगाबाद अभियुक्तों को किया गिरफ्तार।

प्रथम पृष्ठ का शेष

औद्योगिक विकास की रफ्तार...

औद्योगिक गतिविधियों को गति देना है। गया जिले के डोभी प्रखंड में लगभग1,670 एकड़ भूमि पर इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग सिटी विकसित करने की योजना औद्योगिक विकास के लिहाज से महत्वपूर्ण मानी जा रही है। इस परियोजना का उद्देश्य उद्योगों को एक ही क्षेत्र में आवश्यक आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

योजना के तहत औद्योगिक इकाइयों के लिए भूमि आवंटन की प्रक्रिया शुरू होने से निवेशकों को उद्योग स्थापित करनेमें सुविधा मिलनेकी उम्मीद है। इससे गया और आसपास के क्षेत्रोंमें औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के साथ रोजगारके नए अवसर भी पैदा हो सकते हैं।

कार्यक्रम में आगामी 'बिहार बिजनेस कनेक्ट 2027'के कर्टेन रेजर कार्यक्रम का भी शुभारंभ किए जाने की जानकारी दी गई। इस पहल के माध्यम से देश और विदेश के निवेशकों को बिहार में निवेश के अवसरों से परिचित कराने तथा बड़े औद्योगिक प्रस्तावों को आकर्षित करने की योजना है।

बिजनेस कनेक्ट जैसे आयोजनों के जरिए सरकार उद्योग जगत और प्रशासन के बीच संवाद बढ़ाने,निवेश संबंधी समस्याओं को समझने और औद्योगिक परियोजनाओंको आगे बढ़ाने पर ध्यान दे रही है। कार्यक्रम में आगामी 'बिहार बिजनेस कनेक्ट 2027'के कर्टेन रेजर कार्यक्रम का भी शुभारंभ किए जाने की जानकारी दी गई। इस पहल के माध्यम से देश और विदेश के निवेशकों को बिहार में निवेश के अवसरों से परिचित कराने तथा बड़े औद्योगिक प्रस्तावों को आकर्षित करने की योजना है।

राज्य सरकार की औद्योगिक नीति के तहत स्थानीय उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने और बिहार में विनिर्माण गतिविधियों को प्रोत्साहित करने पर भी जोर दिया जा रहा है। उपलब्ध कराई गई जानकारीके अनुसार,निर्धारित मानकों पर खरे उतरने वाले स्थानीय उद्योगों के उत्पादों का 25प्रतिशत तक सरकारी खरीद में शामिल करने की घोषणा भी की गई थी।

इस पहल का उद्देश्य स्थानीय उद्यमियों को बाजार उपलब्ध कराना,उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करना और राज्य में औद्योगिक विकास को मजबूत करना है। हालांकि,इस प्रावधान की पात्रता,लागू शर्तों और कार्यान्वयन की स्थिति की आधिकारिक पुष्टि आवश्यक है।

इस मौके पर केंद्रीय मंत्री जीतन राम माँझी, उप मुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी, विस अध्यक्ष डा. प्रेम कुमार, बिजेंद्र यादव, उद्योग मंत्री श्रेयसी सिंह, मंत्री संतोष सुमन, विधायक ई कुमार सर्वजीत, ज्योति मांझी, मनोरमा देवी, बीरेन्द्र सिंह, अजय दांगी, रोमित कुमार, उपेंद्र प्रसाद, उदय सिंह, दीपा कुमारी, मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत सहित अन्य लोग मौजूद थे।

विप चुनाव के वोटिंग का...

४८.५८, दरभंगा स्नातक में ५४.७३ तथा कोसी स्नातक क्षेत्र में ५३.४२ मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। वहीं पटना शिक्षक क्षेत्र में ७४.७५ प्रतिशत, सारण शिक्षक क्षेत्र में ८९.०५ प्रतिशत, तिरहुत शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में ८२.९९ प्रतिशत तथा दरभंगा शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में ८५.८७ प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। अब २७ अक्टूबर को वोटों की गिनती होगी और उसी दिन चुनाव परिणाम आने की संभावना है।

कारवाई के डर से ग्रामीण...

भंडारण और बिक्री के खिलाफ दो दिवसीय विशेष जांच अभियान चलाने का निर्देश दिया है। जिलाधिकारी विजय प्रकाश मीणा और पुलिस अधीक्षक भारत सोनी ने सभी अंचलाधिकारियों और थानाध्यक्षों को सघन जांच कर अवैध कारोबारियों की पहचान करने तथा नियमानुसार कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। जांच के दौरान पटाखा कारोबारियों के लाइसेंस की भी पड़ताल की जा रही है।अलमापुर में बड़ी मात्रा में विस्फोटक सामग्री बरामद होने की सूचना ने मामले की गंभीरता बढ़ा दी है। अब जांच के दौरान यह पता लगाना महत्वपूर्ण होगा कि विस्फोटक सामग्री कहां रखी गई थी, इसका इस्तेमाल किस उद्देश्य से किया जाना था और इस अवैध कारोबार में किन लोगों की संलिप्तता है। पुलिस की जांच और आधिकारिक पुष्टि के बाद ही मामले की पूरी तस्वीर स्पष्ट हो सकेगी।

जल निकायों की अनदेखी...

ने कहा कि जल निकाय पीने के पानी का स्रोत हैं। इसलिए वे बेहद मूल्यवान (कीमती) हैं। वे संविधान के तहत मिले जीवन के अधिकार के दायरे में आते हैं। पीठ ने कहा, यह अदालत केवल मूकदर्शक बनकर नहीं रह सकती और जल निकायों को असुरक्षित छोड़ने के परिणामों की अनदेखी नहीं कर सकती।

इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने राज्यों और आर्द्रभूमि प्राधिकरणों को अपने निर्देश फिर से याद दिलाए। कोर्ट ने कहा कि यदि जल निकायों की मौके पर जाकर वास्तविक स्थिति की जांच अभी तक नहीं की गई है, तो यह काम किया जाए। इसके बाद इस प्रक्रिया में अपनाए गए तरीके और कार्यप्रणाली का विवरण देते हुए अनुपालन हलफनामा दाखिल किया जाए। कोर्ट ने शुरुआत में कहा था कि ये हलफनामे अधिकतम चार सप्ताह के भीतर दाखिल किए जाने चाहिए। पीठ ने कहा, वरिष्ठ वकील शेखर नाफड़े ने जोरदार तरीके से दलील दी है कि अधिकारियों की ओर से मौके पर जाकर वास्तविक स्थिति की जांच करना समय लेने वाला काम होगा। उन्होंने इसके लिए छह से नौ महीने का उचित समय देने की मांग की है।

पीठ ने कहा कि वह इस काम में लगने वाले व्यापक जमीनी प्रयासों और विभिन्न विभागों के बीच समन्वय की जरूरत से अवगत है। पीठ ने कहा, फिर भी स्थिति को ध्यान में रखते हुए हम इस पूरी प्रक्रिया को पूरा करने के लिए चार महीने का समय देना उचित समझते हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि नियमों के प्रकाशित होने की तारीख से नौ साल बीत जाने के बाद भी जल निकायों की वास्तविक स्थिति की जांच और उनकी सीमाएं तय करने का काम पूरा नहीं हुआ है। सुप्रीम कोर्ट पक्षी प्रेमी आनंद आर्य, वकील एमके बालकृष्णन और गैर-सरकारी संगठन वनशक्ति की ओर से दायर जनहित याचिका पर सुनवाई कर रहा था।

अनंत और उनकी पत्नी...

संविधान की दसवीं अनुसूची (दल-बदल विरोधी कानून) के तहत अनंत कुमार सिंह की विधानसभा सदस्यता को भी अविलंब रद्द करने की औपचारिक संसिद्धि/अनुशंसित कार्रवाई की है।इस हाई-प्रोफाइल कार्रवाई की चपेट में केवल अनंत सिंह ही नहीं आए हैं, बल्कि उनके साथ ही पूर्व विधायक नीलम देवी की प्राथमिक सदस्यता को भी दलविरोधी गतिविधियों में संलिप्त पाए जाने के कारण रद्द कर दिया गया है। उन्हें भी पार्टी से 6 वर्षों के लिए निष्कासित कर दिया गया है।राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि हाल ही में संपन्न हुए विधान परिषद के पटना स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव के दौरान अनंत सिंह ने पार्टी लाइन के खिलाफ जाकर जन सुराज समर्थित उम्मीदवार का खुला समर्थन किया था और पार्टी नेतृत्व के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाया था। इसी बगावती तेवर और पार्टी विरोधी गतिविधियों के चलते जेडीयू ने यह कड़ा कदम उठाया है, जिससे बिहार की सियासत में एक बार फिर बड़ा भूचाल आ गया है।

राहुल गांधी की रैली...

सवाल उठाया कि राहुल गांधी इसी तारीख पर रैली क्यों करना चाहते हैं और इसके जरिए लोगों को क्या संदेश देना चाहते हैं।

भाजपा सांसद ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने सिख समुदाय की भावनाओं का सम्मान करने के लिए कई कदम उठाए हैं। उन्होंने करतारपुर साहिब कॉरिडोर और गुरु गोबिंद सिंह जी के साहिबजादों की शहादत को सम्मान देने का उदाहरण दिया। प्रसाद ने 1984 के सिख विरोधी दंगों का जिक्र करते हुए कांग्रेस नेता सैम पित्रोदा के उस बयान को भी याद किया, जिसमें उन्होंने कहा था, 84 की बात बार-बार क्यों उठाते हो जो हुआ, सो हुआ। इस बीच, दिल्ली के व्यापारी संगठन चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) ने भी राहुल गांधी को पत्र लिखकर रैली की तारीख बदलने की मांग की है। संगठन के चेयरमैन बृजेश गोयल ने आग्रह किया है कि रामलीला मैदान में होने वाली रैली 10 नवंबर यानी भाई दूज के बाद कराई जाए। व्यापारियों का कहना है कि त्योहारों के दौरान बाजारों में सबसे ज्यादा खरीदारी होती है और ऐसे समय में रैली से कारोबार प्रभावित हो सकता है।

सीटीआई के मुताबिक, धनतेरस, दिवाली और भाई दूज दिल्ली के व्यापारियों के लिए बेहद अहम हैं। इस दौरान लोग सोना-चांदी, कपड़े, इलेक्ट्रॉनिक्स, बर्तन, मिठाइयां और दूसरे सामान की जमकर खरीदारी करते हैं। संगठन का अनुमान है कि अकेले धनतेरस पर दिल्ली में करीब 25,000 करोड़ रुपये का कारोबार होता है। व्यापारियों को आशंका है कि रैली के कारण यातायात में बदलाव और रास्ते बंद होने से ग्राहकों को बाजार पहुंचने में परेशानी होगी, जिसका सीधा असर बिक्री पर पड़ सकता है।

जर्मनी के साथ बढ़ेगा...

और उसे बाजार तक पहुंचाएं। उन्होंने पावर इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर, क्वांटम कंप्यूटिंग, स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग, ऑटोमोबाइल, बैटरी, लॉजिस्टिक्स और कृषि को सहयोग के अहम क्षेत्र बताया।बर्लिन दौरे के दौरान गोयल ने जर्मन कंपनियों और शोध संस्थानों के प्रतिनिधियों से मुलाकात की। उन्होंने जर्मनी के फ्रॉनहोफर संस्थानों का उदाहरण देते हुए बताया कि वहां करीब 22,000 वैज्ञानिक काम करते हैं और इनका बजट दो अरब यूरो से अधिक है। उन्होंने कहा कि शोध को प्रयोगशालाओं तक सीमित रखने के बजाय उसका इस्तेमाल उद्योगों और आम लोगों के फायदे के लिए किया जाना चाहिए।

गोयल के मुताबिक, जर्मनी में भारतीय मूल के करीब 3.3 लाख लोग रहते हैं। इसके अलावा वहां बड़ी संख्या में भारतीय छात्र भी हैं। दोनों देशों के बीच मजबूत रिश्ते निवेश, तकनीक और रोजगार के नए अवसर पैदा कर सकते हैं। भारत और जर्मनी की साझेदारी देश को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य में भी मददगार हो सकती है। पीयूष गोयल 22 से 24 अक्टूबर तक जर्मनी और 24 से 27 अक्टूबर तक नीदरलैंड के दौरे पर हैं।

पीएम मोदी आज पहुंचेंगे...

कार्यक्रम में शामिल होंगे.इस कार्यक्रम की थीम विंग्स ओवर गंगा रखी गई है.

यहां वे दोपहर करीब 1 बजे नमो घाट पर एयर फोर्स डे एरियल डिस्प्ले-2026 देखेंगे. इस एरियल डिस्प्ले में तेजस, एलसीएच प्रचंड, सुखोई-30 एमकेआई और राफेल लड़ाकू विमान शामिल होंगे. परिवहन विमानों के साथ भारतीय नौसेना और थलसेना के विमान भी इस कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे. सूर्य किरण एरोबेटिक टीम और सारंग हेलीकॉप्टर डिस्प्ले टीम भी यहाँ प्रदर्शन करेंगी. वाराणसी से कार्यक्रम में शामिल होने के बाद प्रधानमंत्री ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर पहुंचेंगे. जहां वे शाम करीब 4:45 बजे भारतीय रिजर्व बैंक के नए डेटा सेंटर और साइबर सुरक्षा प्रशिक्षण संस्थान का उद्घाटन करेंगे. भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) का यह डेटा सेंटर 169 करोड़ रुपये में बनकर तैयार हुआ साथ ही यह डेटा सेंटर 18.55 एकड़ क्षेत्र में फैला है. प्रधानमंत्री इस कार्यक्रम को संबोधित भी करेंगे.

इस डेटा सेंटर में चार अत्याधुनिक डेटा सेंटर सुविधाएं होंगी. यहां भुगतान और निपटान से जुड़ी महत्वपूर्ण प्रणालियों सहित अन्य प्रमुख डिजिटल सेवाओं को होस्ट किया जाएगा. संस्थान में क्वांटम कंप्यूटिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और अन्य उभरती तकनीकों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा. शाम करीब 6:30 बजे प्रधानमंत्री इस दौरे से रवाना हो जाएंगे.

पुलिस और जवानों के लिए...

, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल , अग्निशमन सेवाएं, चिकित्सा सेवाएं और अन्य सार्वजनिक सुरक्षा एजेंसियां आएंगी।

गृह मंत्रालय ने कहा है कि प्रस्तावित नेटवर्क का रेफरेंस आर्किटेक्चर तैयार करने के लिए जनता और संबंधित पक्षों की राय मांगी जा रही है। मंत्रालय अलग-अलग डिजाइन विकल्पों और संभावित तकनीकों का आकलन करना चाहता है। सुझावों में तकनीकों के फायदे और नुकसान, लागत की दक्षता तथा भारतीय परिस्थितियों में उनकी उपयुक्तता जैसे पहलुओं को शामिल किया गया है। मंत्रालय का उद्देश्य ऐसा नेटवर्क तैयार करना है, जो देश की सुरक्षा और आपदा प्रबंधन से जुड़ी जरूरतों को पूरा कर सके।

प्रस्तावित परियोजना के लिए गृह मंत्रालय ने 10 पायलट स्थान चुने हैं। इनमें अलग-अलग भौगोलिक परिस्थितियों वाले क्षेत्र शामिल हैं।

इन स्थानों का चयन परियोजना के शुरुआती परीक्षण और नेटवर्क की उपयोगिता को परखने के लिहाज से किया गया है। हालांकि, बयान में परीक्षण की विस्तृत समयसीमा नहीं बताई गई है। गृह मंत्रालय के मुताबिक, इस परियोजना के लिए करीब 30 लाख हैंडसेट की जरूरत का अनुमान है। इन्हें कर्मियों की जिम्मेदारियों और कार्यस्थल की आवश्यकताओं के अनुसार अलग-अलग श्रेणियों में बांटने की योजना है। मंत्रालय के अनुसार, फील्ड में इस्तेमाल होने वाले उपकरणों को कठिन परिस्थितियों में काम करने के अनुकूल बनाया जाएगा। वरिष्ठ अधिकारियों के लिए स्मार्टफोन श्रेणी के उपकरण और अन्य जरूरतों के लिए स्थिर या वाहन में लगाए जाने वाले उपकरण प्रस्तावित हैं। बॉडी-वॉर्न कैमरों यानी शरीर पर लगाए जाने वाले कैमरों की संख्या अभी तय नहीं की गई है।इस परियोजना के लिए गृह मंत्रालय को 814-824 मेगाहर्ट्ज और 859-869 मेगाहर्ट्ज बैंड में स्पेक्ट्रम का सैद्धांतिक आवंटन मिला है। ये फ्रीक्वेंसी सामान्य मोबाइल ब्रॉडबैंड के प्रचलित बैंड से अलग हैं। मंत्रालय ने इन फ्रीक्वेंसी पर काम करने वाले रेडियो उपकरणों और व्यावसायिक रूप से उपलब्ध डिवाइस की जानकारी भी मांगी है। इससे नेटवर्क के लिए जरूरी तकनीक की उपलब्धता और उसकी व्यावहारिक उपयोगिता का आकलन किया जा सकेगा। फिलहाल यह परियोजना नेटवर्क की संरचना, तकनीक और उपकरणों की जरूरत तय करने के चरण में है। आगे की प्रक्रिया में मिले सुझावों और तकनीकी आकलन की अहम भूमिका होगी।इसके अलावा गृह मंत्रालय सेना के साथ मिलकर एक अनूठा संयुक्त प्रशिक्षण आयोजित करेगा। इसका उद्देश्य 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में लगभग 60,000 नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवकों का एक नेटवर्क तैयार करना है। यह एक पायलट परियोजना के तहत किया जाएगा। मंत्रालय के मुताबिक इस पहल की प्रेरणा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वतंत्रता दिवस के भाषण से मिली है। उन्होंने आधुनिक प्रणालियों और तकनीकों से लैस एक मजबूत नागरिक सुरक्षा नेटवर्क की कल्पना की थी। गृह मंत्रालय के फायर सर्विसेज, सिविल डिफेंस और होम गार्ड्स महानिदेशालय इस पहल को आगे बढ़ा रहा है।

एटीएस ने संदिग्ध...

उसके मोबाइल फोन से ऐसी गतिविधियों से जुड़ी सामग्री भी मिली है।एजेंसी के मुताबिक, आरोपी एक टेलीग्राम ग्रुप चलाता था। आरोप है कि एक जून को उसने इस ग्रुप पर जैश-ए-मोहम्मद के सरगना मौलाना मसूद अजहर के भड़काऊ ऑडियो भाषण अपलोड किए थे, जिनमें बाबरी मस्जिद और अन्य मुद्दों का जिक्र था। एटीएस ने यह भी दावा किया कि वह इब्न-ए-कासिम नाम के एक पाकिस्तान-समर्थित कट्टरपंथी टेलीग्राम चैनल का सक्रिय सदस्य था। यह गिरफ्तारी उस घटना के कुछ महीनों बाद हुई है, जब जुलाई में गुजरात एटीएस ने जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े एक आतंकी मॉड्यूल की जांच के दौरान पांच लोगों को हिरासत में लिया था। इन पांच आरोपियों की पहचान बिलाल आबिदभाई शेरा, मोहम्मद अयूब कदीवाला, मोहम्मद पालनपुरी उर्फ खाली अयूब सुनसारा, शफिया रईस मुख्ती और मोहम्मद हसन करदिया के रूप में हुई थी।

स्वत्वाधिकारी : ज्ञानमंडल प्रा. लिमिटेड के लिए **शिवशंकर दूबे** द्वारा शाश्वत प्रिण्टर्स यन्त्रालय, मजहरुल हक पथ, पटना से मुद्रित तथा शाश्वत प्रिण्टर्स प्राइवेट लिमिटेड, मजहरुल हक पथ, पटना-८००००१ से प्रकाशित

सम्पादक : शार्दूल विक्रम गुप्त
प्रबंध सम्पादक एवं व्यवस्थापक : **शशि शुक्ला**
स्थानीय सम्पादक : **दीपक पांडेय**

वाराणसी : संत कबीर मार्ग, **गोरखपुर** : बैंक रोड, **प्रयागराज** : 3, लीडर रोड, **कानपुर** : बासमंडी, **झांसी** : झोंकनबाग, **लखनऊ** : 1, जांपलिंग रोड, **आगरा** : महात्मा गांधी रोड, **बरेली** : रोड नं. 3, परसाखेड़ा, **रांची** : नामकुम इंडस्ट्रीयल एरिया, **जमशेदपुर** : न्यू काली माटी रोड, साकची

वर्ष-३१ संख्या-०९७३९२२
आर.एन.आई. रजिस्ट्रेशन सं. ३३४४३/७९

पीबीएक्स : २२३५०७०-७१, ७२
स्थानीय समाचार डेस्क : २२३५०७०
इ-मेल : patnaaj@gmail.com
पटना जीपीओ रजिस्ट्रेशन संख्या : R-10/NP-16/2019-22

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचार के चयन के लिए **स्थानीय सम्पादक** जिम्मेदार होंगे एवं समस्त विवाद पटना न्यायालय के अधीन होगा।

वरीय परियोजना अभियंता का कार्यालय
बिहार राज्य पुल निर्माण निगम लि0
कार्य प्रमंडल,चम्पारण (मोतिहारी)

http://brpnnl.bihar.gov.in ई-मेल e-mail : spe-champaran@brpnn.co.in

Doc. No:-BRPNNL/ CHAMPARAN/1530

NIT-06/2026
(SHORT NOTICE INVITING FOR RFP)
(Only through e-tendering system on website www.eproc2.bihar.gov.in)

Invitation of Proposals for Collection of User fee through the Agency Selected on Competitive Bidding (e-Tender) basis for the following Project :

The Bihar Rajya Pul Nirman Nigam Limited (BRPNNL) invites proposals from eligible agencies for collection of user fee (Toll) for the project mentioned below :

Sl. No.	Name of Work	Minimum threshold revenue for the 1st year (Rs. In Cr.)	Bid Security (Rs. in Lakh)	Cost of RFP (In Rs.) (Non Refundable)	Bid Processing Fee (In Rs.) (Non Refundable)
				Payment through online only.	
1	2	3	4	5	6
1	Collection of User Fee through the Agency Selected on Competitive Bidding (e -Tendering) for Near Gandak river bridge at Mangalpur -Vishnupur Panchayat of Gopalganj District in the State of Bihar	4.10	8.20	10,000/-	11800/-

Note :- Contract shall be for a period of 1 (one) year or until the fee plaza is handed over to other user fee collection agency (BOT/OMT/TOT/INVIT MILFF Contracts/Technology based Tolling contracts etc.) as per direction issued by BRPNNL, whichever is earlier.

Schedule:-

1	Downloading of Bid Documents	From 29/10/2026 (10:00 Hrs.) to 18/11/2026 (15:00 Hrs.) (www.eproc2.bihar.gov.in)
2	Pre-Bid Meeting	09.11.2026 at 15:00 Hrs. (Meeting Hall of BRPNNL, 7, Sardar Patel Marg, Patna-800015)
3	Last Date/Time of submission/uploading of offer Bid	18.11.2026 at 15:00 Hrs.
4	Date & Time for opening of Technical Bid	18/11/2026 upto 15:30 Hrs. (www.eproc2.bihar.gov.in)
5	Date, Time and Place of opening of Financial Bid	To be notified after Technical Bid Evaluation on website: (www.eproc2.bihar.gov.in)
6	Validity of Bid	180 days

❖ The Eligibility Criteria, detailed scope of work etc. can be download from website www.eproc2.bihar.govt.in & www.brpnnl.bihar.gov.in may kindly be referred.

Senior Project Engineer
Bihar Rajya Pul Nirman Nigam Limited
Works Division, Champaran (Motihari)

PR- 014208 (B & C) 2026-27

विस्तृत जानकारी वेबसाइट//state.bihar.gov.in/prdbihar पर देखा जा सकता है।

नशे से बचने का है एक ही उपचार, दृढ़ संकल्प और परिवार से प्यार